दृष्टि The Vision

Mentorship Program
Mukherjee . agar

Drishti Mentorship Program Mains-2023

निबंध (ESSAY) - 9

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: ABHISHEK Meena

Mobile Number: -

Medium (English/Hindi): HINDI

Email:

Center & Date: M.N. | 12/08/ 2023

UPSC Roll No.: 0847649

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A	4	45
खंड-B Section-B	6	52
सकल योग (Grand Total)		97

E-671
मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

* संदर्भ दक्षता अच्छी है।
* विषयवस्तु की समझ अच्छी है।
* भूमिका व निष्कर्ष लेखन अच्छा है।
* भाषा पठनीय है किन्तु कुछ शब्दों में अनुस्वार के प्रयोग पर ध्यान दें।
* बड़े पैराग्राफ में निबंध लिखकर प्रारूप को और प्रभावी बना सकते हैं।
* निबंध लेखन का अभ्यास करते रहें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-A/SECTION-A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. पुस्तकालय मन के लिए एक अस्पताल है।
   A library is a hospital for the mind.
2. भारत केवल एक संतुलन शक्ति होने के बजाय एक अग्रणी शक्ति है।
   India is a leading power rather than just a balancing power.
3. संस्कृति मन की नींव है, मन संस्था की नींव है, और संस्था राष्ट्र की नींव है।
   Culture is the foundation of the mind the mind is the foundation of institution, and institution are the foundation of a nation.
4. कम्फर्ट जोन एक खूबसूरत जगह है, लेकिन वहां कभी कुछ नहीं उगता।
   A Comfort zone is a beautiful place, but nothing ever grows there.

4. कम्फर्ट जोन एक खूबसूरत जगह है, लेकिन वहाँ कभी कुछ नहीं उगता।

निबंध का परिचय अच्छा है।

"एक जहाज़ बंदरगाह के भीतर सुरक्षित होता है, पर वह इसके लिए तो नहीं होता।"
→ ग्रेस हॉपर

प्रस्तुत पंक्तियों का मर्म निबंध के शीर्षक के अनुरूप ही है। ग्रेस हॉपर द्वारा कही गई पंक्तियां कम्फर्ट जोन के त्याग की आवश्यकता को ही बताती है, जो कि अपने लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक ही सिद्ध होता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अब यदि जहाज अपने बंदरगाह को डूबने के डर के कारण नहीं छोड़ेगा तो अपने वास्तविक उद्देश्यों यथा - समुद्री यात्राएँ, व्यापार, रक्षा आदि को कैसे प्राप्त कर पाएगा। अत: जहाज़ की ही तरह हमें भी कुछ पाने के लिए खुद को अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकालना ही पड़ता है। इस बात को हम निबंध में कई उदाहरणों के माध्यम से समझने का प्रयास करेंगे।

सर्वप्रथम हम भारतीय मिथकों के उदाहरण से शुरुआत करते है। हम बात करते है रामायण की। यदि भगवान राम अपने महल का त्याग कर वनवास नहीं गये होते तो वे रावण जैसे अन्यायी, दुराचारी व्यक्ति का वध नहीं कर पाते। इसी तरह प्रसिद्ध कविता 'रश्मिरथी' में भी श्रेष्ठ कवि श्री रामधारी सिंह दिनकर ने भी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कम्फर्ट जोन को छोड़ने की महत्ता को निम्न लिखित पंक्तियों में बताया है :-

"सह धूप घाम पानी पत्थर,
पांडव आये कुछ और निखर,
सौभाग्य न सब दिन सोता है,
देखे आगे क्या होता है।"

कवि बताते है कि पांडवों को जब देश से निष्कासन व अज्ञातवास दिया तो वे कठोर दशाओं में अपना विकास कर पाये। अत: अब उनके सौभाग्य प्राप्त करने का समय आ गया है।

अब हम मिथकों से इतिहास की ओर प्रस्थान करते है। इतिहास में यूं तो त्याग-बलिदान द्वारा सफलता प्राप्ति के अनेकों उदाहरण विद्यमान है परंतु हम अपनी बात को कुछ महापुरुषों व भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के माध्यम से समझने का प्रयास करते है

बात सर्वप्रथम महात्मा बुद्ध व महावीर जैन की करते है। जैसा की सर्वविदित है। बुद्ध व जैन ने विश्व

Copyright – Drishti The Vision Foundation

को दो महान धर्म (बौद्ध धर्म व जैन धर्म) प्रदान किये। वस्तुत: इन धर्मों को प्रदान करने के लिए महात्मा बुद्ध व महावीर जैन ने अपने जीवन के सर्वसुखों का त्याग किया तथा वर्षों की कठोर तपस्या से से ज्ञान प्राप्ति की।

इसी प्रकार भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लक्ष्य देश की आजादी की प्राप्ति हेतु भारत के कई स्वतंत्रता सेनानियों यथा- महात्मा गांधी, पं० जवाहर लाल नेहरू, अंबेडकर जी ने कई त्याग किये। इसी प्रकार कई महान लोगों यथा- भगत सिंह, सुभाषचंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद जैसे व्यक्तियों ने तो सर्वोच्च बलिदान "देश के लिए शहादत दी"।

अब यदि ये व्यक्ति यह सोच जाते कि आजादी के आंदोलन के लिए हमें अपनी सुख सुविधाओं का त्याग करना पड़ेगा, अपने कम्फर्ट जोन को छोड़ना पड़ेगा तो भारत आज भी गुलामी की बेड़ियों में ही जकड़ा रहता।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जब हम इतिहास से आगे चलते हैं तो हम एक अच्छे समाज को इतिहास से प्रेरणा लेते हुए स्थापित करने का प्रयास करते हैं। एक बेहतरीन समाज जहाँ समानता, न्याय, निष्पक्षता, सहानुभूति जैसे गुणों की उपस्थिति हो, उसके लिए भी अनेक व्यक्तियों को त्याग करना पड़ता है अर्थात अपने कम्फर्ट जोन को छोड़ना पड़ता है।

वस्तुत: भारतीय समाज में कई खामियाँ थी। यथा जाति के आधार पर दलितों व शूद्रों के साथ भेदभाव, महिलाओं के साथ भेदभाव आदि। इन सभी समस्याओं से पार पाने के लिए अनेक महान व्यक्तियों ने त्याग व संघर्ष किया, उदा० के लिए- महिला अधिकारों हेतु राजा राम मोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर तथा दलितों व शूद्रों के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रयास; कंफर्ट जोन को छोड़ने के ही उदाहरण हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

वर्तमान समाज में भी कई NGOs व समाजसेवी संस्थाएँ समाज के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु संघर्ष कर रही है। जैसे- समाज में पशुओं के अधिकारों हेतु PETA फाउंडेशन तो बच्चों की शिक्षा के लिए कैलाश सत्यार्थी का 'प्रथम' फाउंडेशन आदि। ये सब संस्थाएँ अपने लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु संघर्ष कर रहे है। इनकी तरह ही समलैंगिक व्यक्तियों के अधिकारों की पहचान के लिए कई व्यक्ति व NGOs सुप्रीम कोर्ट में सरकार से संघर्षरत है। यह सब प्रयास कंफर्ट जोन को छोड़ने के ही उदाहरण है।

इसी प्रकार विद्यार्थी जीवन के उदा० से भी कंफर्ट जोन के त्याग के महत्व को समझ सकते है। विद्यार्थी के लक्षणो को एक श्लोक के माध्यम से समझा जा सकता है:

"काकचेष्टा बकोध्यानं अल्पाहारी गृहत्यागी श्वान निद्रा।
विद्यार्थी पंचलक्षणम्।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

इस श्लोक में ज्यादातर महत्व तो त्याग को ही दिया गया है। जैसे कम भोजन करना, घर का त्याग करना, श्वान के समान नींद अर्थात् कम नींद लेना। वस्तुत: विद्यार्थी यदि त्याग नही करेगा तो वह अपने जीवन में लक्ष्य या सफलता की प्राप्ति नहीं कर पायेगा। विद्यार्थी जीवन के त्याग को डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के विद्यार्थी जीवन के त्याग से समझा जा सकता है कि कैसे उन्होंने गरीबी की स्थिति में भी अपनी शिक्षा प्राप्ति हेतु विभिन्न त्याग किये यथा- अखबार बेचना आदि।

अब हम यदि इस बात को हालिया उदाहरणों से समझना चाहे तो सबसे बेहतर उदाहरण हमें कोविड-19 महामारी के दौर में सभी चिकित्सकों, पैरा मेडिकल स्टॉफ के त्याग का मिलता है। यदि इन लोगों ने अपना कंफर्ट जोन का त्याग नहीं किया होता तथा वे कोविड जैसी परिस्थितियों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

में संक्रमण के डर से अपने घरों मे अस्पताल नहीं जाते तो न जाने कितने लोग इस महामारी के शिकार बन जाते। यह उदाहरण अपनी जान पर खेलकर. देश सेवा, मानव सेवा के लिए कार्य करने के लक्ष्य को बताता है।

डॉक्टरो की ही तरह देश के वीर सैनिक तो हमेशा ही अपने कंफर्ट ज़ोन से बाहर रहते है। वे हमेशा अपने घर से दूर देश की सीमाओं पर तैनात रहते है। कभी-कभी तो उन्हें दुश्मन सैनिकों के आक्रमणों का भी ~~सम~~ सामना करना पड़ता है। वस्तुत: सैनिक को केवल ~~मानव~~ दुश्मन सैनिकों का नहीं विषम प्राकृतिक परिस्थितियों जैसे: बर्फबारी, रेगिस्तान में भी गर्मी

आदि का सामना करना पड़ता है। जो कंफर्ट के एकदम विपरित परिस्थितियां है। वस्तुत: ~~र~~ राष्ट्र की सेवा व सुरक्षा सर्वोत्कृष्ट लक्ष्य है इसके लिए सैनिक कंफर्ट ज़ोन क्या अपने प्राणों का भी त्याग अर्थात सर्वोच्च बलिदान देने को तत्पर रहते है।

राष्ट्र सेवा में सैनिकों के साथ-साथ वैज्ञानिको का भी महत्वपूर्ण योगदान रहता है। वैज्ञानिक भी नई खोजों व अविष्कारों के लिए नये नये प्रयोग करते है। वे नये प्रयोग के विफल होने का जोखिम भी लेते है, यह भी तो कंफर्ट जोन को त्यागना ही है। वस्तुत: वैज्ञानिको में यदि रिस्क लेने की प्रवृत्ति नहीं होगी तो समाज, राष्ट्र व दुनिया को कुछ भी नया नहीं मिल पाएगा।

अब बात हम यदि अर्थव्यवस्था व आर्थिक क्षेत्र की करे तो

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

रिस्क तो यहाँ भी लेना पड़ता है। कोई भी नया उद्यमी पूंजी का जोखिम लेकर ही नये उद्योग को प्रारंभ करता है। उसे पता नहीं होता कि उसके निवेश पर प्रतिफल की प्राप्ति होगी या नहीं। यह निवेश या पूंजी के कंफर्ट जोन का उदाहरण है। इसे हम सबसे अच्छे तरीके से स्टार्टअप्स के माध्यम से समझ सकते हैं कि कैसे वे नयी प्रणालियां विकसित करने के लिए जोखिम लेते हैं

अब प्रश्न यह है कि क्या बिना कंफर्ट जोन को छोड़े भी कुछ प्राप्त किया जा सकता है? यदि हम इस प्रश्न पर गौर करे तो हम पाते हैं कि कंफर्ट जोन में रहने की प्रवृत्ति व्यक्ति को आलसी बनाती है। वस्तुतः आलस्य से कभी भी किसी लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो पाई है

कभी-कभी कम्फर्ट जोन में रहना अच्छा होता है इस पक्ष को भी बताएं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अतः यदि व्यक्ति को अपने लक्ष्य को प्राप्त करना है तो कंफर्ट जोन को छोड़ना ही पड़ेगा चाहे वह कोई भी हो।

प्लेटो ने कहा भी है कि:-

"संघर्ष के बिना कुछ भी सुंदर नहीं है।"

और भारत में तो यह बात प्रसिद्ध है ही कि:-

"करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।"

अतः कह सकते हैं कि जहाज को अपने अगले गंतव्य तक जाने के लिए बंदरगाह को छोड़ना पड़ेगा तथा समुद्री मार्ग पर विभिन्न तूफानों (संघर्षों) से होते हुए यात्रा करनी पड़ेगी।

निष्कर्ष को थोड़ा विस्तार दें

निबंध लेखन का प्रयास अच्छा है सभी पक्षों को शामिल कर निबंध को और प्रभावी बना सकते हैं

45/125

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B/SECTION-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

5. आशावादी और निराशावादी दोनों ही समाज में योगदान करते हैं। आशावादी हवाई जहाज का आविष्कार करता है, निराशावादी पैराशूट का।

   Both optimists and pessimists contribute to society. The optimist invents the aeroplane, the pessimist the parachute substitute for talent.

6. अधिकार वह नहीं है जो कोई आपको देता है; यह वह है जिसे कोई भी आपसे छीन नहीं सकता।

   A right is not what someone gives you; it's what no one can take away from you.

7. धैर्य एक गुण है, गुण एक अनुग्रह है।

   Patience is a virtue, virtue is a grace.

8. अनिश्चितता को रचनात्मकता को प्रज्वलित करना चाहिए, दुष्टता को नहीं।

   Uncertainty should ignite creativity, not depravity.

(6). अधिकार वह नहीं है जो कोई आपको देता है; यह वह है जिसे कोई भी आपसे छीन नहीं सकता।

भूमिका अच्छी है

"प्रत्येक व्यक्ति जन्म से स्वतंत्र होता है और स्वयं का मालिक होता है, इसलिये कोई भी अन्य व्यक्ति उसकी सहमति के बिना किसी भी बहाने से उसे अधीन नहीं बना सकता है।"

यह प्रसिद्ध उद्धरण प्रसिद्ध दार्शनिक जीन जैक्स रूसो का है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इस उदाहरण के माध्यम से उन्होंने व्यक्ति के अधिकारों की प्रकृति को बताया है जो दिये गये निबंध के शीर्षक से संगतता रखते है।

इस निबंध में हम व्यक्ति के इन्हीं अधिकारों के प्रकृति को समझने का प्रयास विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से करेंगे।

हमारा प्रथम प्रश्न यह है कि अधिकार क्या है?

हम यदि एक पंक्ति में कहना चाहे तो कह सकते है कि अधिकार वे तत्व या गुण होते है जो किसी भी समाज में किसी व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक होते है। वस्तुत: यदि अधिकार नहीं होंगे तो व्यक्ति अपने समस्त क्षमताओं का प्रयोग नहीं कर पाएगा जो उसे प्रकृति से प्राप्त हुई है। इन अधिकारों को हम विभिन्न नामों से जानते है यथा: समानता का अधिकार, स्वतंत्रता

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

का अधिकार आदि। भारत के संविधान में इन अधिकारों का वर्गीकरण 6 भागों में किया गया है। जैसे- स्वतंत्रता का अधिकार (अनु- 14 से 18); स्वतंत्रता का अधिकार (अनु 19 से 22); शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनु- 23-24); धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनु- 25-28); सांस्कृतिक एवं शैक्षिक अधिकार (अनु 29-30); संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनु- 32)।

हमारा अगला प्रश्न यह है कि हमें ये अधिकार कौन प्रदान करता है?

वस्तुत: जैसा कि रूसो ने कहा है कि- "मनुष्य जन्म से ही स्वतंत्र होता है।" इसी प्रकार ये अधिकार हमें किसी ने प्रदान नहीं किए है। ये अधिकार हमें जन्म के साथ ही मिल जाते है। ये अधिकार मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त है।

ध्यातव्य है कि ~~कई~~ देशों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

के संविधानों में नागरिकों के अधिकारों का उल्लेख रहता है। इसका यह तात्पर्य नहीं है कि हमें ये अधिकार संविधान द्वारा प्रदत्त है अपितु इसका अर्थ यह है कि हमारे अधिकार नैसर्गिक है तथा संविधान द्वारा इनकी गारंटी प्रदान की गई है। अत: कोई भी बिना प्राधिकार के इन्हें नहीं छिन सकता है।

अब अगला प्रश्न यह आयेगा कि यदि हमारे पास अधिकार है तो हम उसका प्रयोग कैसे कर सकते है तथा क्यों करते है?

इस प्रश्न का उत्तर हम भारत के संविधान के अनु० 19 के उदाहरण से समझने का प्रयास करते है। अनु० 19 में हमें विभिन्न प्रकार की स्वतंत्रता की गारंटी प्रदान की गई है। यथा:- वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता,

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | 641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

विचरण की स्वतंत्रता आदि। अत: इन स्वतंत्रताओं का प्रयोग करते हुए हम राष्ट्र में कही भी घूम सकते है। अपने विचारों को दुनिया के सामने रख सकते है।

अब यदि किसी के द्वारा हमारा दमन या शोषण किया जा रहा है तो हम इस अधिकार का प्रयोग करते हुए उसके खिलाफ अपनी बात रख सकते है।

अब हम इस प्रश्न पर गौर करेंगे कि अधिकारों का महत्व है या नहीं?

वस्तुत: किसी भी व्यक्ति के जीवन में उसके मूलभूत अधिकारों का महत्व सर्वाधिक होता है। यदि उस व्यक्ति के पास अधिकार नहीं है तो वह परतंत्र है। इस बात को हम भारत राष्ट्र के ब्रिटीश कालीन इंडिया से समझ सकते है।

ध्यातव्य है कि जब भारत पर अंग्रेजों का शासन था तो भारतीय के पास अधिकार नहीं थे। भारतीयों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | 641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के साथ समानता का व्यवहार नही किया जाता था। उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार नही था। भारतीयों का विभिन्न प्रकार से शोषण किया जाता था।

वस्तुत: इन अधिकारों का महत्व हमें स्वतंत्रता संग्राम के माध्यम से पता चलता है। ~~वि~~ वस्तुत: स्वतंत्रता संग्राम का मुख्य उद्देश्य ही भारतीयों के अधिकारों की प्राप्ति था। जिसके लिए विभिन्न स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने जीवन का बलिदान तक कर दिया।

इसी कड़ी में अगला प्रश्न यह है कि क्या अधिकार केवल मानव के है अन्य जीव जंतुओं के नहीं, प्रकृति के नहीं?

इस प्रश्न महान कवि जयशंकर प्रसाद की कालजयी रचना कामायनी में भी उठाया गया

है। वे कामायनी में लिखते है:-

"ये प्राणी जो बचे हुए इस अचला जगती के, इनके कुछ अधिकार नहीं क्या ये सब ही हैं फीके।"

वस्तुत: वर्तमान समय में अधिकारो का दायरा विस्तृत होता जा रहा है। आज अधिकारों का दायरा केवल मानव तक या मानवाधिकारों तक ही सीमित नहीं है। वर्तमान विश्व में पशु अधिकारों, प्रकृति के अधिकारों की भी बात की जाती है तो साथ ही मानवों में महिला अधिकारों, समलैंगिकों के अधिकारों के प्रश्नों का भी मुद्दा महत्वपूर्ण है।

ध्यातव्य है कि पशु अधिकारों की पहचान के लिए PETA foundation द्वारा आवाज उठाई जा रही है। इसी तरह मद्रास हाईकोर्ट ने प्रकृति के अधिकारों को मान्यता दी है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अब अधिकारों की बात तो हो गई। अब हमारे दिमाग में अगला प्रश्न यह आता है कि मानव के केवल अधिकार ही है या कुछ कर्त्तव्य भी तथा क्या ये अधिकार निरपेक्ष है, इन्हें सीमित नही किया जा सकता है?

इस प्रश्न को भी हम भारतीय संविधान के उदाहरणों के माध्यम से समझ सकते है। वस्तुत: भारतीय संविधान के साथ कई अन्य संविधानों में भी किसी भी नागरिक के कुछ कर्त्तव्यों की चर्चा की गई है। जैसे- राष्ट्र के प्रति सम्मान भाव, राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान, धरोहरों का संरक्षण, बच्चों की शिक्षा के लिए प्रयास आदि।

ये सभी कर्त्तव्य अधिकारों को सीमित नहीं करते है अपितु किसी भी सभ्य समाज के व्यक्तियों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

के नैतिक दायित्व होते है। वस्तुत: अधिकार व कर्त्तव्य एक दूसरे के पूरक होते है।

इसी के साथ यह भी है कि किसी भी व्यक्ति के अधिकार पूर्णत: निरपेक्ष नहीं होते है। इन अधिकारों को विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों द्वारा सीमित या कम किया जा सकता है। उदा० के लिए भारत के संविधान का अनु० 19(2) स्वतंत्रता के अधिकार को सीमित करता है। वस्तुत: ये प्रतिबंध व्यक्ति के उच्छृंखल व उद्दण्डी होने से रोकने के लिए आवश्यक है।

इसी कड़ी में हमारा अंतिम प्रश्न है कि अधिकारों को संवैधानिक प्रावधानों से सीमित करना तो ठीक है परंतु यदि कहीं अधिकारों का पूर्णत: लोप हो जाए तो क्या होगा? अर्थात

Copyright – Drishti The Vision Foundation

हमें हमारे अधिकारों से वंचित कर दिया जाए, उन्हें छीन लिया जाए तब क्या?

इतिहास के पन्नों पर यदि हम दृष्टिपात करें तो पाते हैं कि जब जब किसी ने किसी भी व्यक्ति या समाज या देश के नागरिकों के अधिकारों को छिनने की कोशिश की है तो उसकी दुर्गति हुई है। अब चाहे वह हिटलर हो, चाहे ब्रिटिशों जैसा साम्राज्यवादी नीति या भारतीय मिथकों में रावण या कौरव। सभी का अंत अधिकारों के हनन से ही तय हो गया था।

अतः किसी ने सही ही कहा है कि "मौलिक अधिकार व न्याय निष्पक्ष समाज की स्थापना हेतु एक आवश्यक तत्व है।"

अधिकार असीमित हो तो वे निरंकुश बनाते हैं।

अधिकारों का महत्व व आगे की राह बताते हुए निष्कर्ष लिखें।

अच्छा निबंध लिखा गया है।

52/125

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

'अधिकार वह नहीं है जो कोई आपको देता है, यह वह है जिसे कोई भी आपसे छीन नहीं सकता।'

Quote-क्यों → इस Quote के माध्यम से कहा जा रहे है कि व्यक्ति जन्म से ही स्वतंत्र है। प्रश्नों से समझने का प्रयास करते हुए अधिकारों को समझने का प्रयास

अधिकार क्या है? अधिकार मानव के विकास के महत्वपूर्ण तत्व है, जो मानव को गरिमापूर्ण जीवन जीने ... —

अधिकार जन्म से ही प्राप्त होते हैं। मनुष्य जन्म से स्वतंत्र पैदा हुआ

~~क्या अधिकार~~ हमें अधिकार कौन देता है?
जन्म से प्राप्त होते है कोई किन्तु उपयोग करने के लिए संविधान बनाया जाता है जो देते - —.

जैसे ... अनुच्छेद Art-21

अधिकारों का प्रयोग मानव क्यों करता है? वाक् स्वतंत्रता, व्यक्ति की विकास ...

'वे प्राणी जो बचे हुए हैं इस अवला जाति के क्या उनके कुछ अधिकार नहीं क्या वे सब ही है ...'

वस्तुत: अधिकार सबके है चाहे वह जानवर हो/ प्रकृति हो

वर्तमान EXPETA ...

क्या केवल अधिकार ही महत्व रखते हैं। क्या ये निरपेक्ष हैं। ... दायित्व; कर्तव्य। यदि व्यक्ति स्वतंत्रता ...

इसी प्रकार अधिकारों का ...

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कम्फर्ट जोन एक खूबसूरत जगह है; लेकिन यहां कुछ भी नहीं उगता।
→ Quote
Mean समझना → त्याग के बिना सफलता नहीं
इसे कुछ उदाहरणों कुछ उदाहरणों से पुष्ट
i) इतिहास → भारतीय स्वतंत्रता संग्राम
1) मिथक → महाभारत / रामायण → राम जी वनवास के उपरांत ही रावण का वध
→ सह धूप घाम पानी पत्थर पांडव आये कुछ और निखर
2) इतिहास → स्वतंत्रता संग्राम
3) समाज → विभिन्न NGOs को पाबंदी के लिए लगना पड़ता है
→ जैसे → • च्यवन फाउंडेशन → अथक प्रयास
→ समलैंगिक • NGOs →
4) विद्यार्थी → • गृहत्यागी → आलस्य का त्याग आदि
5) हालिया उदा० कोविड 19 – डॉक्टर्स का त्याग
6) देश की रक्षा के लिए → सेना के जवान
7) विज्ञान → रिस्क वैज्ञानिकों को निरंतर मेहनत
8)

Copyright – Drishti The Vision Foundation